फोन पर शादी करके कुंवारी चूत चुदने चली आयी

“वर्जिन गर्ल सेक्स कहानी में पढ़ें कि एक लड़की से मेरी दोस्ती फोन पर हुई। हम दोनों सेक्स के लिए उतावले थे पर वो शादी से पहले सेक्स नहीं करना चाहती थी. …”

Story By: राजीव 84 (rraajeev)
Posted: Wednesday, December 15th, 2021
Categories: जवान लड़की
Online version: फोन पर शादी करके कुंवारी चूत चुदने चली आयी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फोन पर शादी करके कुंवारी चूत चुदने चली आयी

वर्जिन गर्ल सेक्स कहानी में पढ़ें कि एक लड़की से मेरी दोस्ती फोन पर हुई। हम दोनों सेक्स के लिए उतावले थे पर वो शादी से पहले सेक्स नहीं करना चाहती थी.

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राजीव है और मैं अंतर्वासना का नियमित पाठक हूं। मैं इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूं।
मैंने इस हिन्दी सेक्स स्टोरी वेबसाइट की लगभग सभी कहानियां पढ़ी हैं। मैं कहना चाहूंगा कि इस साइट की लगभग सभी कहानियां बहुत अच्छी हैं।

चूंकि मैं सेक्स कहानियां पढ़ने का पुराना शौकीन हूं तो मैंने सोचा कि आज मैं आप लोगों के साथ अपनी स्टोरी भी शेयर करूंगा।

ये वर्जिन गर्ल सेक्स कहानी सोनाक्षी नाम की एक लड़की की है। मैंने नाम यहां पर बदल कर लिखा है।
मेरी और उसकी मुलाकात संयोग से फोन पर हुई थी और वो भी एक रॉन्ग नम्बर मिल जाने के कारण।

पहले मैं आपको सोनाक्षी के बारे में बता देता हूं।
सोनाक्षी देखने में बहुत खूबसूरत नहीं थी लेकिन उसके बदन की बनावट बहुत अच्छी थी। उस वक्त वो केवल 19 साल की ही थी।

काफी समय पहले जब मेरी उससे बात शुरू हुई तब हम दोनों ही नादाँ से थे, सही गलत का

पता नहीं था, बातें भी करते तो बात बात पर लड़ने लग जाते थे।

धीरे धीरे हम दोनों को एक दूसरे की आदत हो गई। अब मिलना भी शुरू हो गया और फिर वक्त के साथ हमारी लड़ाई प्यार में बदल गई।

होते होते बातें सेक्स की भी होने लगीं।

जब मैंने उससे पहली बार सेक्स करने के लिए कहा तो उसने मुझसे कहा- पहले शादी करेंगे और उसके बाद सेक्स!
मैंने उससे पूछा- शादी कब करना चाहती हो?

तो उसने कहा- मैं तो इसी समय भी तैयार हूँ।

इस पर मैंने भी भावनाओं में आकर कह दिया- सोनाक्षी, मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं। मैं तुम्हें इसी पल से अपनी पत्नी मानता हूँ क्या तुम्हें मेरे साथ पति पत्नी का रिश्ता मंजूर है?
उसने भी कह दिया- हां मंजूर है।

मैंने फिर कहा- मैं अपने इष्ट देव को साक्षी मान कर तुम्हें इसी पल से अपनी पत्नी मानता हूँ.
वो बोली- हां मैं भी अपने इष्ट देव को साक्षी मान कर तुम्हें इसी समय से अपना पति स्वीकार करती हूँ.

आखिरी बार मैंने कहा- क्या तुम अपने होशोहवास में मुझे अपना पति मानती हो?
वो बोली- हां मानती हूँ।

वो कहने लगी कि उसने सच में मुझे अपना पति मान लिया है।

फिर उस रात हम लोग सुबह 4:00 बजे तक बात करते रहें।

इसी तरह बात करते करते एक महीना बीत गया।

फिर एक दिन वो मुझे बिना बताए इलाहाबाद चली आयी।

स्टेशन से उसने मुझे फोन किया और बताया कि वो स्टेशन पर मेरा इंतजार कर रही है।
मैं उसकी इस बात से बहुत चौंक गया लेकिन मैं उसे अपने पास लाने के सिवाय कुछ और कर भी नहीं सकता था।
उस वक्त अच्छी बात ये हुई कि मेरी मकान मालकिन उस समय किसी शादी में गई हुई थी।

मैंने उसे अपने कमरे में लाकर बैठाया और चाय नाश्ता करवाया।
तब तक शाम हो गई।

फिर हम लोग थोड़ा घूमने गए और फिर खाना खाकर रात 8 बजे तक कमरे पर आ गये।

उस समय मेरे साथ मेरा एक दोस्त भी साथ वाले रूम पर रह रहा था।
हम तीनों में कुछ देर बातें हुईं।

फिर जब सोने का समय हुआ तो मेरा दोस्त अपने रूम में चला गया।

उसके जाने के बाद मैं और सोनाक्षी एक ही बेड पर हो लिए।
दोनों ने ही कुछ भी न कहा और बिना कहे दोनों के होंठ मिल गए।
औपचारिकता की तो कोई गुंजाईश ही नहीं थी अब हमारे रिश्ते में!

हम एक दूसरे को किस करने लगे।
किस करते करते हम लोग एक दूसरे के कपड़े उतारने लगे।

देखते ही देखते दोनों नंगे हो गए।

नंगे जिस्म मिले तो सेक्स की आग और ज्यादा भड़क उठी।
मैं सोनाक्षी के नर्म कोमल बदन को सहलाने लगा। उसको जहां तहां होंठ टिकते किस करने लगा।

वो भी मेरे जिस्म की खुशबू लेते हुए मुझे जहां मन किया किस कर रही थी।
कभी मेरी गर्दन को चूम रही थी तो कभी मेरी छाती को। कभी मेरे होंठों को तो कभी मेरे कंधों को!

हम दोनों जैसे एक दूसरे में समाने के लिए बेताब थे।

किस करते-करते मैं उसके स्तनों पर पहुंच गया और उनको दबाते हुए जोर जोर से चूसने लगा।
मैंने उसकी चूचियों को इतना बेसब्री से चूसा कि दो मिनट में ही वो लाल हो गईं।

उसके बाद में मैंने धीरे-धीरे नीचे की ओर आते हुए उसकी नाभि पर किस किया।
नाभि पर चूमने से उसके बदन में जैसे बिजली के झटके लगने लगे। मैंने उसकी नाभि में जीभ दे दी और अंदर तक नोक डालने लगा।

वो मचलने लगी।

इतने में ही मैंने उसकी चूत पर हमला कर दिया। उसकी टांगें फैलाकर मैंने उसकी हल्के बालों वाली चूत को चाटना शुरू कर दिया।

वो एकदम से सिसकार उठी।

उसकी चूत बाहर से भूरी और अंदर से बिल्कुल लाल रंग की दिख रही थी। उसमें गीलापन

झलकने लगा था। अंदर से वो रस छोड़ रही थी।

सोनाक्षी की चूत के रस का स्वाद मुझे इतना भा गया कि मैं उसकी चूत को खाने ही लगा।

कभी उसको दोनों जबड़ों के बीच में भींचकर हल्की सी काट लेता तो कभी जीभ से अंदर तक चाट लेता।

थोड़ी ही देर में सोनाक्षी की हालत ऐसी हो गई जैसे उसकी चूत से अब ज्वालामुखी फूट जाएगा।

वैसे तो उसको इस हालत में तड़पते हुए देखकर मुझे बहुत मजा आ रहा था लेकिन मेरी भी इच्छा हो रही थी कि वो भी मेरे लंड के साथ ऐसा ही कुछ करे।
मैंने उसको लंड चूसने के लिए कहा।

वो शर्मा गई और उसने लंड को मुंह में नहीं लिया।
मैंने ज्यादा दबाव नहीं डाला उस पर लंड चूसने को लेकर क्योंकि ये हमारा पहला सेक्स था और मैं सब हम दोनों की मर्जी से होने देना चाहता था।

फिर मैंने उसको लेटने को कहा तो वह लेट गयी और मैं उसके होंठों को किस करने लगा। इसी तरह किस करते करते मैं उसके ऊपर आ गया।

मैंने उसके पैरों को फैला दिया और उसकी चूत का निशाना ले लिया। मैंने लंड को उसकी चूत के मुंह पर रख दिया।

मैं जानता था कि ये पहली बार चुदाई करवाने जा रही है तो इसे बहुत दर्द होगा।
उसको मैंने आगाह कर दिया- तुम्हें बहुत दर्द होने वाला है और थोड़ा बर्दाश्त करना होगा।

एक बार तो वो थोड़ा डर गयी लेकिन फिर मैंने उसका हाथ चूमकर कहा कि मैं उसे कुछ

नहीं होने दूंगा तो वो फिर अच्छे से तैयार हो गई।
मैंने उसके होंठों पर अपने होंठों को लॉक कर लिया ताकि चूत के दर्द की ओर उसका ध्यान कम से कम जाए।

किस करते हुए मैं नीचे से धीरे-धीरे दबाव डालने लगा।
जैसे-जैसे लण्ड अंदर जा रहा था तो उसका शरीर अकड़ने लगा।

वो मुझे हटाने की कोशिश करने लगी लेकिन मैं धीरे-धीरे लण्ड डालता रहा।

लंड का सुपारा जैसे ही उसकी चूत के अंदर घुसा तो उसे बहुत तेज दर्द हुआ।
उसके मुंह से आवाज निकली- ऊऊऊ … ईईईई … आआआई!

वो फिर से मुझे हटाने की कोशिश करने लगी लेकिन मैंने उसको पकड़े रखा और अपने लंड के नीचे दबाए रखा।

अब मैं ज्यादा देर नहीं कर सकता था इसलिए मैंने एक कसकर झटका मारा और लण्ड उसकी चूत को फाड़ता हुआ अंदर जाने लगा।
मेरा लंड लगभग 3 इंच अंदर चला गया।

फिर मैं थोड़ी देर रुक गया और उसके स्तनों पर किस करने लगा।

थोड़ी देर के बाद उसका दर्द कुछ कम हुआ।
मैंने उससे पूछा- अब ठीक है?

उसने हां में सिर हिलाया।
फिर उसने मुझसे पूछा- क्या पूरा चला गया?
मैंने उससे कहा- नहीं, अभी थोड़ा ही गया है।

ये कहकर मैंने तुरन्त ही एक और झटका मारा और उसकी आंखों से आंसू निकलने लगे।
वह रोने लगी तो मैंने फिर से उसके होंठ जकड़े लेकिन इस बार उसने मेरे चेहरे को हाथों से पकड़ कर हटा दिया और हमारे होंठ अलग हो गए।

वो कहने लगी कि बहुत दर्द हो रहा है। वो निकालने के लिए कहने लगी। बोलने लगी कि बर्दाश्त नहीं कर पा रही है।

मगर मैंने उसे नहीं छोड़ा।
मैं जानता था कि अगर एक बार मैंने निकाल लिया तो वो दोबारा से अब नहीं डलवा पाएगी।
इसलिए मैं उसका ध्यान हटाने पर लग गया।

मैं उसकी चूचियों को पीने लगा ; उसके बदन को सहलाने लगा। उसकी गर्दन और गालों पर किस करने लगा।

करते करते मैंने इसी बीच एक और झटका उसकी चूत में मारा और मेरा पूरा लंड उसकी चूत में चला गया।

वो जोर से चीखी तो मैं उसके होंठों को चूसने लगा। वो गूं-गूं की आवाज करने लगी।

मगर मैंने अपना मुंह नहीं हटाया और उसको प्यार करता रहा।

फिर मैंने नीचे हाथ ले जाकर उसकी चूत पर फेरा तो पाया कि उसकी चूत से खून निकल रहा था।

मगर मैं चुपचाप उसको सहलाता रहा।
फिर कई मिनट के बाद उसका दर्द हल्का होना शुरू हुआ।

मैंने उसकी चुदाई शुरू की।
उसकी चूत इतनी टाइट लग रही थी कि लंड जैसे छिल जाने वाला था।

जब मुझे लगा कि वो अब ठीक है तो मैंने गति बढ़ा दी और तेजी से सोनाक्षी को चोदने लगा।

उसकी कातिल कमसिन जवानी को चोदने में गजब का मजा आ रहा था।
मैं सोच रहा था कि अच्छा हुआ सोनाक्षी खुद ही मेरे पास चुदने चली आयी।
इतनी कड़क चूत भला कौन नहीं चोदना चाहेगा।

मैं लगातार उसको चोदता रहा।
10-12 मिनट चोदने तक उसका स्खलन हो चुका था और मेरा भी माल अब निकलने वाला था।
इसलिए मैंने झटके तेज कर दिए।

अब मैं पूरी तेजी से उसको चोदने लगा।
15-20 झटकों के बाद मेरा माल भी निकल गया।

मैं सारा का सारा उसकी चूत में खाली हो गया।
हांफते हुए मैं उसकी साइड में जा लेटा।

हम दोनों हांफ रहे थे और हमारे बदन पसीने से भीग चुके थे।

मगर बगल में ही कूलर चल रहा था इसलिए जल्दी ही पसीना सूख गया।

फिर हम दोनों में बातें होने लगीं।
मैं बोला- बताकर आ जाती यार! मैं पहले से ही तुम्हारे स्वागत की तैयारी करके रखता।

वो बोली- मैं और मेरी बहन आज मौसी मौसी के यहां जा रहे थे। मैं अपनी बहन को मौसी के यहां छोड़ आई और मैं इलाहाबाद चली आई।

ऐसे ही बात करते-करते हमने मोबाइल में देखा तो समय रात के 12:00 बज गए थे।

फिर हम लोग कंप्यूटर में पिक्चर देखने लगे।

हम नंगे ही थे तो दोनों फिर से गर्म हो गए।
एक बार चुदाई का राउंड और हुआ।

फिर हम सो गए।
सुबह उठकर उसको वापस जाना था।

उसके बाद सुबह उठकर वो नहाने चली गई।

मेरे अंदर फिर से जोश आ गया और एक बार फिर से उसको देखकर मूड बन गया।

बाथरूम में से बाहर आते ही मैंने उसको पकड़ लिया और उसको बेड पर लिटा लिया।

मैंने उसकी ब्रा और पैंटी को निकाल दिया। उसका भीगा बदन साबुन की खुशबू से महक रहा था।

मैं उसकी गीली रसीली चूचियों को पीने लगा और उसकी गीली चूत पर हाथ फेरने लगा। रात की चुदाई के बाद उसकी चूत अभी तक फूली फूली लग रही थी।

अपना लंड मैंने उसके हाथ में पकड़ा दिया और दोनों एक दूसरे के होंठों को पीने लगे।
वो भी जल्दी से चुदने के लिए तैयार हो गई।

मैंने उसको घोड़ी बनाया और उसकी चूत को पीछे से पेलने लगा।
वो भी मस्ती में सिसकारियां भरते हुए चुदने लगी।

दस मिनट की चुदाई मेरा वीर्य उसकी चूत में भरने के साथ खत्म हो गई।

कुछ देर वो नॉर्मल होने के लिए लेटी रही।

फिर वो दोबारा से अपनी चूत को धोकर आई और फिर कपड़े पहन कर तैयार हो गई।
मैं उसके साथ ही निकल गया उसको स्टेशन तक छोड़ने के लिए।
मैंने उसे टिकट देकर ट्रेन में बैठा दिया और वह चली गई।

दोस्तो, उसकी कुंवारी चूत की सील मैंने ही खोली थी।
उसकी चूत मारकर इतना मजा आया कि मैं उसकी चूत की दीवाना हो गया।

उसको भेजने का मन तो नहीं कर रहा था लेकिन उसको रोक भी नहीं सकता था।

इस तरह से सोनाक्षी के साथ मेरी यह पहली चुदाई हुई।

दोस्तो, ये मेरी पहली स्टोरी थी और मैंने पहली बार ही कुछ लिखा है।
आपको अगर इसमें कुछ कमी लगे तो मुझे बताना ताकि मैं अपनी कहानी में सुधार कर सकूं।

आपको ये स्टोरी पढ़ने में कितना मजा आया वो भी मुझे बताना।
आप सब की प्रतिक्रियाओं का मुझे इंतजार रहेगा।
कमेंट करके जरूर बताना कि आप लोगों को वर्जिन गर्ल सेक्स कहानी कैसी लगी।
मेरा ईमेल आईडी है rraajeev84@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरे दोस्त ने मेरी जवानी का भोग लगाया

देसी वर्जिन गर्ल की चुदाई कहानी में पढ़ें कि गाँव की स्कूल टीचर लड़की की दोस्ती अपने अब्बू के दोस्त के बेटे से हो गयी. यह रिश्ता सेक्स तक कैसे पहुंचा ? यह कहानी सुनें. दोस्तो, मेरा नाम नीता मेहता है। […]
Full Story >>>

दामाद ने मौसी सास को पटाकर चोदा

वर्जिन फर्स्ट टाइम सेक्स कहानी मेरा पत्नी की मौसी के साथ सेक्स की है. वो अविवाहित थी और कुंवारी भी. उसके साथ मेरी सेटिंग कैसे हुई, कैसे मैंने उसे चोदा ? नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम सचिन है. मैं औरंगाबाद महाराष्ट्र से […]
Full Story >>>

ब्यूटी पार्लर में लिया पहले लंड का मज़ा

हॉर्नी गर्ल सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि जवान होते ही एक सेक्सी लड़की को लंड लेने की जल्दी हुई. पहले उसने अपनी सहेली के बाप का लंड चूसा, फिर ब्यूटी पार्लर में बुर फड़वायी. लेखिका की पिछली कहानी : कितने लण्ड […]
Full Story >>>

मेरे कुंवारे जिस्म में जल रही वासना की ज्वाला- 2

कॉलेज गर्ल पोर्न स्टोरी में पढ़ें कि जब लड़की जवान हो जाती है तो उसकी चूत लंड मांगने लगती है. मेरी चूत भी लंड मांग रही थी. मैंने किसका लंड लिया पहली बार ? दोस्तो, मैं मोनिका एक बार फिर से […]
Full Story >>>

मेरे कुंवारे जिस्म में जल रही वासना की ज्वाला- 1

हॉट कॉलेज गर्ल Xxx कहानी एक कमसिन जवान लड़की की है. उसकी चुत में वासना की चुलबुलाहट होने लगी थी. उसने लंड के लिए अपने टीचर को पटाना चाहा. सभी लंडधारियों और चुतवालियों को मेरा गुलाबी नमस्कार. मेरा नाम राहुल […]
Full Story >>>